No. of Printed Pages : **4** **BPY-001**

00781

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

December, 2018

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART - I

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : (i) *Answer **all five** questions.*

(ii) ***All** questions carry equal marks.*

(iii) *Answer to question no. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

---

1. Explain the importance of Vedangas and its six Organs. **20**

OR

Discuss the philosophical significance of Chandogya Upanishad. **20**

2. Explain the different states of consciousness as given in the Mandukya Upanishad. **20**

OR

Give a detailed account of the practical teachings of Buddhism. **20**

3. Answer **any two** of the following in about 200 words each :

(a) Discuss the nature of Brahman in Mundaka Upanishad. **10**

(b) Highlight the Central themes of Isha Upanishad. **10**

(c) Briefly explain Jaina Epistemology. 10

(d) Explain the structure of the Yajurveda. 10

4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :

(a) Distinguish between Jivanmukti and Videhamukti. 5

(b) How does Mandukya Upanishad identify the letters 'AUM' and the states of consciousness of self ? 5

(c) What is the process of creation in Aitareyo-panishad ? 5

(d) Explain briefly the meaning and classification of the Vedas. 5

(e) Enumerate the objectives of Upanishads according to Sri Aurobindo. 5

(f) What is the metaphysical position of the Cārvaka school of thought ? 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :

(a) Apara Vidya or Lower Knowledge 4

(b) Bhooma Vidya 4

(c) The analysis of mind in Upanishads 4

(d) Puranas 4

(e) Nishkama Karma 4

(f) Grihya Sutras 4

(g) Three Jewels or Triratnas of Jainism 4

(h) Nirvana 4

बी.पी.वाई.-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसंबर, 2018
ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन भाग-I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) *प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए ।*

---

1. वेदांग और इसके छः अंगों के महत्व की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

छान्दोग्य उपनिषद् के दार्शनिक महत्व पर चर्चा कीजिए। 20

2. माण्डूक्य उपनिषद् में प्रस्तुत चेतना की विभिन्न अवस्थाओं की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

बौद्ध दर्शन की व्यवहारिक शिक्षाओं का विस्तृत विवरण दीजिए। 20

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

(a) मुण्डक उपनिषद् में ब्रह्म की प्रकृति पर चर्चा करें। 10

(b) ईशोपनिषद् की केन्द्रीय विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिए। 10

(c) जैन ज्ञानमीमांसा की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 10

(d) यजूर्वेद की संरचना की व्याख्या करें। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

(a) जीवन मुक्ति एवं विदेह मुक्ति के मध्य अन्तर कीजिए। 5

(b) माण्डूक्य उपनिषद् किस प्रकार 'ओउम' शब्द की तादात्म्यता आत्मा की चेतन अवस्थाओं के साथ स्थापित करता है? 5

(c) एतरेय उपनिषद् में सृष्टि निर्माण की प्रक्रिया क्या है? 5

(d) वेदों के अर्थ एवं वर्गीकरण की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 5

(e) श्री अरबिन्दों के अनुसार उपनिषद् के उद्देश्यों को नामांकित कीजिए। 5

(f) चार्वाक दर्शन की तत्वमीमांसीय स्थिति क्या है? 5

5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) अपरा विद्या अथवा निम्न ज्ञान 4

(b) भूमा विद्या 4

(c) उपनिषद् में मन का विश्लेषण 4

(d) पुराण 4

(e) निष्काम कर्म 4

(f) गृहीय सूत्र 4

(g) जैन दर्शन के त्रीरत्न 4

(h) निर्वाण 4